94/24

8/8/24 पत्रावली पेश हुई । पीठा[illegible] अधिकारी दीगज कार्यो में व्यस्त है [illegible] इल्तवा होकर पत्रावली पूर्व आदेशिकानुसार आईन्दा दिनांक 18/9/24 को पेश हो।

18/9/24 पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी दिगज कार्यो में व्यस्त है, मिसल इल्तवा होकर पत्रावली पूर्व आदेशिकानुसार आईन्दा दिनांक 7/10/24 को पेश हो।

07/10/24 पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी दिगज कार्यों में व्यस्त है, मिसल इल्तवा होकर पत्रावली पूर्व आदेशिकानुसार आईन्दा दिनांक 23/10/24 को पेश हो।

23/10/24 पत्रावली पेश हुई । पीठासीन अधिकारी दीगज कार्यो में व्यस्त है, मिसल इल्तवा होकर पत्रावली पूर्व आदेशिकानुसार आईन्दा दिनांक 29/11/24 को पेश हो।

29/11/24 पत्रावली पेश हुई। प्रार्थी वकील उपस्थित। पत्रावली वास्ते विपक्षीगण के जवाब हेतु रखी। अंतिम अवसर दिया जाकर पत्रावली आईन्दा दिनांक 01/01/2025 को पेश हो।

01/01/25 पत्रावली पेश हुई। प्रार्थी वकील उपस्थित। विपक्षीगण को जवाब पेश करने के अनेक अवसर देने के बावजूद भी कोई जवाब पेश नहीं किया, अत: उनका जवाब बंद किया जाता है। वकील प्रार्थी ने बहस सुनने का निवेदन किया, जिसे स्वीकार किया जाकर [illegible] गई। बहस पर मनन किया गया। [illegible] अध्ययन अवलोकन किया गया। [illegible] प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार [illegible] निर्णय अलग से लिखा जाकर शामिल [illegible] किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो। संख्या से एक कम हो।

Signature Not Verified
Digitally signed by Badrinarayan
Date: 2025.05.05 20:40:05 IST
Reason: SelfAttested